भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोकसभा

तारांकित प्रश्न संख्या- 341

दिनांक 25मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

पशुधन की समग्र उत्पादकता और प्रदर्शन

***341. श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डीः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगेकि:

(क) तेलंगाना में विशेषकर पशुधन के दुग्ध उत्पादन और समग्र प्रदर्शन सहित पशुधन की उत्पादकता का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा राज्य में पशुधन उत्पादकता में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं तथा कौन-सी विशिष्ट योजनाएं या कार्य किए गए हैं;

(ग) क्या तेलंगाना में पशुधन की उत्पादकता में सुधार के लिए उत्पादकता पर शुक्राणु पृथक्करण जैसी आधुनिक प्रजनन प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई रिपोर्ट तैयार की गई है या अध्ययन किए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि पशुधन की उत्पादकता में सुधार के लिए तेलंगाना में किसानों को ऐसा डेटा और संसाधन सुलभ हों?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

पशुधन की समग्र उत्पादकता और प्रदर्शन पर दिनांक 25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 341 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) तेलंगाना में विशेषकर दूध उत्पादन और गोपशु प्रदर्शन के संदर्भ में गोपशुओं और भैंसों की औसत उत्पादकता, का ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) दूध उत्पादकता और दूध उत्पादन बढ़ाने में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए, भारत सरकार तेलंगाना राज्य सहित पूरे देश में राष्ट्रीय गोकुल मिशन को लागू कर रही है। यह पहल देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा दूध उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित है। तेलंगाना राज्य सहित इस योजना के तहत उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं-

(i) राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना और देशी बोवाइन नस्लों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के वीर्य का उपयोग करके किसानों के द्वार पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान (एआई) सेवाएं प्रदान करना है। तेलंगाना राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के तहत भाग ले रहा है। अब तक तेलंगाना राज्य में 30 लाख पशुओं को कवर किया गया है, 37 लाख कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं और 15 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।

सेक्स-सॉर्टेड सीमेन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य 90% तक की सटीकता के साथ बछड़ियों का उत्पादन करना है, जिससे नस्ल सुधार को बढ़ावा मिले और किसानों की आय बढ़े। इस कार्यक्रम के तहत देशी नस्लों के सेक्स-सॉर्टेड सीमेन के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है। तेलंगाना ने सेक्स सॉर्टेड सीमेन का उपयोग करके कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करने संबंधी कार्यक्रम के तहत 73,048 सेक्स सॉर्टेड सीमेन खरीदे हैं। अब तक 20,091 खुराकों का उपयोग किया गया है, 5,586 गर्भधारण हुए हैं और पैदा हुए 971 बछड़े-बछड़ियों में से 911 बछड़ियों का जन्म हुआ है, इस प्रकार बछड़ियों का लिंगानुपात 93% से अधिक रहा है।

हाल ही में देशी रूप से विकसित सेक्स सॉर्टेड सीमेन उत्पादन तकनीक शुरू की गई है और इस तकनीक से सेक्स सॉर्टेड सीमेन की लागत 800 रुपये से घटकर 250 रुपये प्रति खुराक हो जाएगी। यह तकनीक हमारे किसानों के लिए गेम चेंजर साबित होगी क्योंकि सेक्स सॉर्टेड वीर्य उचित दरों पर उपलब्ध है। देशी सेक्स सॉर्टेड सीमेन उत्पादन तकनीक देश में देशी बछड़ियों की आबादी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्रामीण भारत में बहुउद्देश्यीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (मैत्री): मैत्री को किसानों के द्वार पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं देने के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया गए हैं और

अब तक देश में 38,736 मैत्री को प्रशिक्षित और तैयार किए जा चुके हैं , जिसमें से तेलंगाना में 571 मैत्री को प्रशिक्षित और तैयार किया गया है।

आईवीएफ तकनीक का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम: भारत में पहली बार, देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए बोवाइन आईवीएफ तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को देशी नस्लों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक सुनिश्चित गर्भावस्था पर 21000 की लागत आती है जिसमें से 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वरा प्रदान की जाती है । विभाग ने देश भर में देशी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए 22 आईवीएफ लैब स्थापित की हैं, जिनमें तेलंगाना में पी.वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्थापित 1 आईवीएफ लैब भी शामिल है। अब तक 435 भ्रूण तैयार किए गए, 350 भ्रूण हस्तांतरित किए गए और 156 बछड़े व बछड़ियाँ पैदा हुई।

देशी कल्चर मीडिया का शुभारंभ: देश में आईवीएफ तकनीक को और बढ़ावा देने के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) हेतु एक देशी कल्चर मीडिया लॉन्च किया गया है। यह देशी कल्चर मीडिया महंगे आयातित मीडिया से सस्ती दरों पर उपलब्ध है, जिससे आईवीएफ तकनीक उचित दरों पर उपलब्ध होगी।

(ii) सीमेन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण: सीमेन उत्पादन में मात्रात्मक और गुणात्मक सुधार लाने के लिए सीमेन केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को निधि जारी की गई हैं । अब तक तेलंगाना राज्य में करीमनगर और कासमपल्ली में स्थित 2 सीमेन केन्द्रों सहित 47 सीमेन केन्द्रों को सुदृढ़ करने के लिए निधि संस्वीकृत की गई है।

(iii) संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन करना है। गिर, साहीवाल नस्ल के गोपशुओं और मुर्रा, मेहसाणा नस्ल की भैंसों के लिए संतति परीक्षण लागू किया गया है। नस्ल चयन कार्यक्रम के तहत राठी, थारपारकर, हरियाना, कंकरेज नस्ल के गोपशुओं और जाफराबादी, नीली रावी, पंढरपुरी और बन्नी नस्ल की भैंसों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के तहत उत्पादित रोग मुक्त उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों को तेलंगाना राज्य में स्थित वीर्य केन्द्रों सहित देश भर के सीमेन केन्द्रों को उपलब्ध कराया जाता है।

(iv) देशी रूप से विकसित जीनोमिक चिप का शुभारंभ: पहली बार, देशी नस्लों के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत एक जीनोमिक चिप विकसित और लॉन्च की गई है। यह सामान्य जीनोमिक चिप उच्च आनुवंशिक गुणता वाले पशुओं की पहचान के माध्यम से देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है जिसके माध्यम से उच्च आनुवंशिक क्षमता वाले सांडों की पहचान में मदद मिल रही है।

(ग) और (घ) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार, केंद्र प्रायोजित योजना पशुधन संगणना और एकीकृत नमूना सर्वेक्षण के अंतर्गत दूध उत्पादन सहित प्रमुख पशुधन उत्पादों के उत्पादन अनुमान हेतु एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (आईएसएस) आयोजित कर रहा है। तेलंगाना इस योजना के तहत भाग ले रहा है और दूध उत्पादन सहित प्रमुख पशुधन उत्पादों के उत्पादन अनुमान के लिए मौसमी डेटा प्रस्तुत कर रहा है। उपर्युक्त योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप तेलंगाना में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 के 42.03 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.32 लाख टन हो गया है, जो कि 38.75% अधिक है। गाय और भैंसों की औसत उत्पादकता वर्ष 2014-15 के 3.97 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 5.25 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन हो गई है, जो कि 32.24% की वृद्धि है। इसके अलावा पशुपालन और डेयरी विभाग ने उत्कृष्ट पशुओं की पहचान, अवस्थिति (लोकेशन) और प्रजनन के लिए राष्ट्रीय दूध रिकॉर्डिंग कार्यक्रम और सुरभि चयन श्रंखला शुरू की है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रजनन तकनीकों के उपयोग संबंधी डेटा तक पहुँच हो, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार, ने "भारत पशुधन" नामक डेटाबेस तैयार किया है। भारत पशुधन प्रणाली पशुधन क्षेत्र में कार्यबल के लिए है जो पशु प्रबंधन, प्रजनन और टीकाकरण, उपचार आदि सहित स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रीय कार्यकलापों को रिकॉर्ड करता है। आज की स्थिति तक तेलंगाना सहित देश भर में क्षेत्र के कार्यबल द्वारा इस प्रणाली में 84 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के तहत इस क्षेत्र के बारे में विधिवत प्रमाणित जानकारी और पशुपालक किसान द्वारा अपेक्षित संबद्ध प्रथाओं/कार्यक्रमों के एक पूर्ण स्रोत के रूप में किसानों के लिए 1962 एप तैयार किया गया है। यह एप किसानों को न केवल भारत पशुधन डेटाबेस से जोड़ता है बल्कि किसानों और पशुपालकों को नवीनतम जानकारी भी प्रदान करता है। कृत्रिम गर्भाधान का डाटा भी भारत पशुधन पर अपलोड किया जा रहा है।

अनुबंध-I

तेलंगाना में विशेष रूप से दूध उत्पादन और गोपशु प्रदर्शन के संदर्भ में, गोपशु और भैंसों की औसत उत्पादकता का विवरण

श्रेणी	वर्ष 2014-15			वर्ष 2023-24		
	दुधारू पशुओं की संख्या (लाख में)	औसत उत्पादकता (किग्रा/पशु/दिन)	दूध उत्पादन (लाख टन में)	दुधारू पशुओं की संख्या (लाख में)	औसत उत्पादकता (किग्रा/पशु/दिन)	दूध उत्पादन (लाख टन में)
देशी और नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशु	9.38	1.99	6.81	8.12	3.06	9.11
संकर गोपशु	1.90	7.20	5.00	3.25	8.52	10.15
भैंस	17.69	4.68	30.22	19.05	5.60	39.06
योग	28.97	3.97	42.03	30.42	5.25	58.32

स्रोत: मूलभूत पशुपालन सांख्यिकी 2024

***